प्रश्नकोश

1. साइमन कमीशन भारत किस वर्ष आया?

(a) 1927 (b) 1928

(c) 1929 (d) 1931

U.P. P.C.S. (Pre) 1996

38th B.P.S.C. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

वर्ष 1919 के मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड एक्ट में 10 वर्ष पर इसकी समीक्षा हेतु एक संवैधानिक आयोग के गठन का प्रावधान था। आयोग को यह देखना था कि यह अधिनियम व्यवहार में कहां तक सफल रहा तथा उत्तरदायी शासन की दिशा में कहां तक प्रगति करने की स्थिति में है। किंतु ब्रिटेन की कंजरवेटिव सरकार ने इसकी समीक्षा हेतु दो वर्ष पूर्व ही नवंबर, 1927 में साइमन कमीशन की नियुक्ति कर दी। जॉन साइमन की अध्यक्षता में गठित इस आयोग में कुल 7 सदस्य थे। चूंकि इसमें सभी सदस्य अंग्रेज थे तथा कोई भी भारतीय इसका सदस्य नहीं था, इसलिए भारतीयों ने इसे 'श्वेत कमीशन' कहकर इसका बहिष्कार एवं विरोध किया। साइमन कमीशन 3 फरवरी, 1928 को बंबई पहुंचा।

2. **साइमन कमीशन के आने के विरुद्ध भारतीय जन-आंदोलन क्यों हुआ?**

(a) भारतीय, 1919 के अधिनियम की कार्यवाही का पुनरीक्षण कभी नहीं चाहते थे

(b) साइमन कमीशन ने प्रांतों में द्विशासन की समाप्ति की संस्तुति की थी

(c) साइमन कमीशन में कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था

(d) साइमन कमीशन ने देश के विभाजन का सुझाव दिया था

I.A.S. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

3. साइमन आयोग नियुक्त किया गया था—
(a) 1925 में (b) 1927 में
(c) 1928 में (d) 1930 में
Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. **1928 ई. में साइमन कमीशन भारत में किस उद्देश्य से आया?**
(a) प्रशासनिक सुधार पर विचार के लिए
(b) शिक्षा में सुधार के लिए
(c) कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए
(d) सैनिक क्षमता में मूल्यांकन हेतु
U.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. **भारतीयों ने साइमन कमीशन का बहिष्कार किया था क्योंकि -**
(a) इसे भारत विभाजन हेतु बनाया गया था
(b) इसमें लेबर पार्टी का कोई प्रतिनिधि नहीं था
(c) इसका कोई सदस्य भारतीय नहीं था
(d) जनरल डायर इसके अध्यक्ष थे
U.P. P.C.S. (Pre) 2004
U.P. P.C.S. (Mains) 2003
I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. **निम्नलिखित में से साइमन कमीशन का कौन एक सदस्य उदारवादी दल का था?**
(a) सर जॉन साइमन (b) मेजर एटली
(c) स्टीफन वाल्स (d) विस्काउण्ट बर्नहम
U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर—(a)

साइमन कमीशन के अध्यक्ष सर जॉन साइमन उदारवादी दल (Liberal Party) के सदस्य थे, जबकि भारत की स्वतंत्रता (1947) के समय ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली इस कमीशन में श्रमिक दल (Labour Party) के सदस्य के रूप में शामिल थे।

7. **किसके सुझावों पर भारतीयों को साइमन कमीशन से बाहर रखा गया?**
(a) लॉर्ड रीडिंग (b) लॉर्ड चेम्सफोर्ड
(c) सर जॉन साइमन (d) लॉर्ड इर्विन
U.P. Lower Sub. (Pre) 2013

उत्तर—(d)

कुछ पुस्तकों एवं वेबसाइटों के अनुसार, लॉर्ड इर्विन के सुझावों पर भारतीयों को साइमन कमीशन से बाहर रखा गया था। जबकि Dr. Babasaheb Ambedkar writing and speeches Vol-17 Part-1 Page 63 के अनुसार, साइमन कमीशन से भारतीयों को बाहर रखने का सुझाव तत्कालीन भारत सचिव लॉर्ड बिरकेनहेड ने दिया था। उल्लेखनीय है कि साइमन कमीशन वर्ष 1928 में भारत पहुंचा था। इसके (इसमें कोई सदस्य भारतीय न होने के कारण) विरुद्ध भारत में व्यापक विरोध-प्रदर्शन हुए थे।

8. **नीचे दो वक्तव्य कथन (A) एवं कारण (R) दिए गए हैं—**
कथन (A) : कांग्रेस ने साइमन आयोग का बहिष्कार किया था।
कारण (R) : साइमन आयोग में एक भी सदस्य भारतीय नहीं था।
उपर्युक्त के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन एक सही है?
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), सही व्याख्या है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।
U.P. P.C.S. (Pre) 2010
U.P. P.C.S. (Mains) 2010
U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Pre) 2010

उत्तर—(a)

प्रश्नगत कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या कर रहा है।

9. **निम्नलिखित कथनों में से कौन साइमन कमीशन के संबंध में सही है? कथनों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—**
1. **उसकी नियुक्ति 1919 एक्ट के क्रियान्वयन की पूछताछ के लिए की गई थी।**
2. **उसके अध्यक्ष सर जॉन साइमन थे।**
3. **उसने संघीय प्रकार की सरकार के लिए संस्तुति की थी।**
4. **भारतीय नेताओं ने उसका विरोध किया था।**

कूट :
(a) केवल 1 तथा 2 (b) केवल 1, 2 तथा 3
(c) केवल 2, 3 तथा 4 (d) उपर्युक्त सभी
U.P. P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

भारत सरकार अधिनियम, 1919 के एक प्रावधान के अनुसार, अधिनियम के पारित होने के दस वर्ष पर एक वैधानिक कमीशन की नियुक्ति की जानी थी, जिसे वर्ष 1919 के अधिनियम के कार्य संचालन की जांच-पड़ताल करनी थी और आवश्यक होने पर भावी सुधारों को प्रस्तावित करना था। इसी उद्देश्य से नवंबर, 1927 में साइमन कमीशन का गठन किया गया था। साइमन कमीशन में ब्रिटिश संसद के सात सदस्य थे। जॉन साइमन इसके अध्यक्ष बनाए गए तथा इस कमीशन में कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था। फलस्वरूप भारतीय नेताओं द्वारा इसके विरोध का निर्णय लिया गया। साइमन आयोग का प्रस्ताव था कि केंद्रीय विधानमंडल को पुनर्गठित किया जाए जिसमें एक इकाई की भावना को छोड़कर संघीय भावना हो और इसके सदस्य परोक्ष पद्धति से प्रांतीय विधानमंडलों द्वारा चुने जाएं। 3 फरवरी, 1928 को जिस दिन साइमन कमीशन बंबई पहुंचा, उस दिन देशव्यापी हड़ताल आयोजित की गई। कमीशन जहां कहीं भी गया वहां पूर्ण हड़ताल रखी गई तथा "साइमन, वापस जाओ" के नारों के साथ जुलूस निकाले गए।

10. साइमन कमीशन की सिफारिशों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है?

(a) इसने प्रांतों में द्वैधशासन को उत्तरदायी सरकार द्वारा प्रतिस्थापित करने की संस्तुति की

(b) इसने गृह विभाग के अधीन अंतर-प्रांतीय परिषद स्थापित करने का सुझाव दिया।

(c) इसने केंद्र में द्विसदन विधायिका के उन्मूलन का सुझाव दिया

(d) इसने भारतीय पुलिस सेवा इस प्रावधान के साथ सृजित करने की संस्तुति की, कि ब्रिटिश भर्ती का, भारतीय भर्ती की तुलना में वेतन तथा भत्ता अधिक होगा।

I.A.S. (Pre) 2010

उत्तर—(a)

प्रश्नगत विकल्पों में साइमन कमीशन ने प्रांतीय क्षेत्र में द्वैधशासन को प्रतिस्थापित कर वहां उत्तरदायी सरकार गठित करने की संस्तुति की थी। अन्य विकल्पों के कथन साइमन कमीशन की सिफारिशों के संदर्भ में सही नहीं हैं।

11. लाला लाजपत राय घायल हुए थे—

(a) साइमन कमीशन के विरोध में हुए लाठी चार्ज में

(b) रौलेट एक्ट के विरोध में हुए लाठी चार्ज में

(c) भारत छोड़ो आंदोलन के समय हुए लाठी चार्ज में

(d) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के विरोध में हुए लाठी चार्ज में

U.P. P.C.S. (Pre) 1993
U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर—(a)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने दिसंबर, 1927 में मद्रास में हुए अपने अधिवेशन में साइमन कमीशन का विरोध करने का निर्णय किया। 3 फरवरी, 1928 को साइमन कमीशन बंबई पहुंचा और उस दिन देशव्यापी हड़ताल का आयोजन हुआ। कमीशन जहां गया, वहां पूर्ण हड़ताल रखी गई तथा 'साइमन कमीशन, वापस जाओ' के नारे के साथ जुलूस निकाले गए। लाहौर में साइमन कमीशन विरोधी जुलूस का नेतृत्व करते समय पुलिस के लाठी चार्ज में लाला लाजपत राय गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस द्वारा की गई इस बर्बरतापूर्वक पिटाई के कारण ही लाला लाजपत राय की मृत्यु हो गई। मरने से पूर्व उन्होंने कहा था—"मेरे ऊपर किए गए लाठियों का एक-एक प्रहार ब्रिटिश सरकार के ताबूत की आखिरी कील साबित होगा।"

12. 'पंजाब केसरी' की उपाधि किसको दी गई थी?

(a) भगत सिंह (b) रणजीत सिंह
(c) लाला लाजपत राय (d) लाला हरदयाल

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर—(c)

लाला लाजपत राय (1865-1928) पंजाब के प्रमुख राजनीतिक नेता थे, जिन्होंने ब्रिटिश राज के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था। उन्हें 'पंजाब केसरी' की उपाधि दी गई थी।

13. अभिकथन (A) : 1928 में लाहौर में लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमीशन का विरोध आयोजित किया गया था।

कारण (R) : साइमन कमीशन में एक भी भारतीय सदस्य शामिल नहीं था।

उपर्युक्त दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता है।

(c) (A) सत्य है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

M.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

साइमन कमीशन 3 फरवरी, 1928 को इंग्लैंड से बंबई पहुंचा। इस कमीशन में सभी सदस्य अंग्रेज थे। इसीलिए इसका देशव्यापी विरोध किया गया। लाहौर में लाला लाजपत राय ने साइमन कमीशन के विरोध का नेतृत्व किया था। इसी दौरान पुलिस की लाठी से घायल होने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। इस प्रकार अभिकथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, अभिकथन की सही व्याख्या कर रहा है।

Scanned with OKEN Scanner

14. 'नेहरू रिपोर्ट' तैयार की थी—
(a) एम.एल. नेहरू ने
(b) जे. नेहरू ने
(c) आर.के. नेहरू ने
(d) बी.एल. नेहरू ने

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर—(a)

साइमन कमीशन (1927) के प्रत्युत्तर में नेहरू रिपोर्ट (1928) तैयार की गई थी, जिसमें भारत के नए डोमिनियन संविधान का खाका था। इसे तैयार करने वाली सर्वदलीय समिति के अध्यक्ष मोतीलाल नेहरू थे। जवाहरलाल नेहरू इसके सचिव थे। दो मुस्लिमों सहित कुल 9 लोग इस समिति के सदस्य थे।

15. **निम्नलिखित में से किसने सर्वप्रथम भारत के लिए औपनिवेशिक स्वराज्य की मांग की थी?**
(a) राजगोपालाचारी और सरदार पटेल ने
(b) पं. मोतीलाल नेहरू और गोविंद वल्लभ पंत ने
(c) सर तेजबहादुर सप्रू और जयकर ने
(d) जवाहरलाल नेहरू और जगजीवनराम ने

U.P. P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(c)

प्रश्नगत विकल्पों में दिए गए व्यक्तियों में से पं. मोतीलाल नेहरू ने मार्च, 1926 में सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में भारत के लिए औपनिवेशिक स्वराज्य (डोमिनियन स्टेट्स) हेतु संविधान निर्माण के लिए एक प्रतिनिधिक कॉन्फ्रेंस बुलाने की मांग की थी तथापि प्रश्न में उनके साथ गोविंद वल्लभ पंत का नाम दिया गया है, जो इससे संबंधित नहीं थे। अतः इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) होगा, क्योंकि तेजबहादुर सप्रू और जयकर 'नेहरू रिपोर्ट' तैयार करने वाली समिति (जिसके अध्यक्ष मोतीलाल नेहरू थे) में शामिल थे, जिसमें भारत के लिए औपनिवेशिक स्वराज्य की मांग रखी गई थी।

16. **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के काल के संदर्भ में नेहरू रिपोर्ट में निम्नलिखित में से किसकी/किस-किस की अनुशंसा की गई थी?**
1. भारत के लिए पूर्ण स्वतंत्रता
2. अल्पसंख्यकों हेतु आरक्षित स्थानों के लिए संयुक्त निर्वाचन-क्षेत्र
3. संविधान में भारतीयों के लिए मौलिक अधिकारों का प्रावधान
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए—
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2011

उत्तर—(b)

नेहरू रिपोर्ट (1928) में भारत के लिए पूर्ण स्वतंत्रता के स्थान पर डोमिनियन स्टेट्स (अधिराज्य का दर्जा) की बात ही कही गई थी। इसमें सांप्रदायिक आधार पर पृथक निर्वाचक मंडलों के स्थान पर अल्पसंख्यकों हेतु आरक्षित स्थानों के लिए संयुक्त निर्वाचन-क्षेत्रों का प्रस्ताव था। साथ ही इसके तहत प्रस्तावित संविधान में भारतीयों के लिए भाषण देने, समाचार-पत्र निकालने, सभाएं करने, संगठन बनाने आदि की स्वतंत्रता के अधिकार सहित मौलिक अधिकारों का भी प्रावधान किया गया था। इस प्रकार कथन 1 गलत है, जबकि 2 एवं 3 सही हैं।

17. **निम्न में से कौन वर्ष 1928 में 'इंडिपेंडेंस फॉर इंडिया लीग' के गठन से संबद्ध थे?**
1. जवाहरलाल **2. सुभाष चंद्र बोस**
3. आचार्य नरेंद्र देव **4. जयप्रकाश नारायण**
अपना उत्तर दिए गए कूट से चुनिए—
कूट :
(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4
(c) 1 और 2 (d) 3 और 4

U.P. Lower (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर—(c)

वर्ष 1928 में 'इंडिपेंडेंस फॉर इंडिया लीग' का गठन जवाहरलाल नेहरू तथा सुभाष चंद्र बोस ने मिलकर किया था। इस लीग का उद्देश्य डोमिनियन स्टेट्स से आगे पूर्ण स्वतंत्रता की मांग को मुखर करना था। इंडिपेंडेंस लीग ने ब्रिटिश राज के विरुद्ध प्रगतिशील शक्तियों को संगठित करने में महत्वपूर्ण कार्य किया।

18. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**
नेहरू रिपोर्ट ..... की अध्यक्षता में एक कमेटी द्वारा तैयार किया गया था और इसका विषय था.....।
(a) मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू; ब्रिटिश साम्राज्य के साथ भारत का रिश्ता
(b) जवाहरलाल नेहरू; भारत में स्थानीय स्वशासन
(c) मोतीलाल नेहरू; भारत में संवैधानिक व्यवस्थाएं
(d) जवाहरलाल नेहरू; भारत में संवैधानिक व्यवस्थाएं

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(c)

साइमन आयोग को नियुक्त करने वाले अनुदार पंथी राज्य सचिव लॉर्ड बिरकेनहेड के अनुसार, भारतीय लोग संवैधानिक सुधार के लिए ठोस प्रस्ताव बनाने में असमर्थ थे। उन्होंने कहा कि भारतीय ऐसा संविधान बनाने में असमर्थ हैं, जिसको सभी भारतीयों का व्यापक राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो। इस चुनौती को भारतीयों द्वारा स्वीकार किया गया और एक योजना को अंतिम रूप देने के लिए फरवरी, मई और अगस्त, 1928 में सर्वदलीय अधिवेशन आयोजित किए गए। मोतीलाल नेहरू

Scanned with OKEN Scanner

की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति (कुल 9) ने अगस्त, 1928 में प्रस्तावित संविधान का प्रारूप प्रस्तुत किया। इसको मोतीलाल नेहरू के नाम पर 'नेहरू रिपोर्ट' नाम से बाद में जाना गया। मोतीलाल नेहरू ही इस रिपोर्ट के लेखक थे। इसमें सांप्रदायिक आधार पर अलग निर्वाचन मंडल की मांग को अस्वीकार किया गया था। इस रिपोर्ट में 'डोमिनियन स्टेट्स' की मांग की गई थी। इसके अतिरिक्त अन्य सिफारिश की गई थी, जैसे–सब वयस्कों के लिए मताधिकार, महिलाओं के लिए समान अधिकार, यूनियन (संगठन) बनाने की स्वतंत्रता और धर्म का हर प्रकार से राज्य से पृथक्करण।

19. मुस्लिम लीग के निम्नलिखित में से किस अधिवेशन में एम.ए. जिन्ना ने अपना 14 सूत्रीय प्रस्ताव रखा था?

(a) 1927 (b) 1928

(c) 1929 (d) 1930

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(c)

28 मार्च, 1929 को दिल्ली में मुस्लिम लीग का अधिवेशन हुआ, जिसमें जिन्ना ने नेहरू रिपोर्ट (1928 ई.) के विरोधस्वरूप 14 सूत्रीय प्रस्ताव रखा था। नेहरू रिपोर्ट में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने की बात कही गई थी, जबकि इसमें चुनाव क्षेत्र की मांग की गई थी।

20. कांग्रेस दल की उग्र शाखा ने, जिसके एक प्रमुख नेता जवाहरलाल नेहरू थे, 'इंडिपेंडेंस फॉर इंडिया लीग' की स्थापना की। वह लीग किसके विरोध में स्थापित हुई थी?

(a) गांधी-इर्विन समझौता (b) होमरूल आंदोलन

(c) नेहरू रिपोर्ट (d) मांटफोर्ड सुधार

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में युवा और उग्रवादी राष्ट्रवादियों ने 'नेहरू रिपोर्ट' पर आपत्ति रखी। ये पूर्ण स्वराज्य को तात्कालिक लक्ष्य के रूप में रखने की मांग कर रहे थे। फलतः जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस ने 'इंडिपेंडेंस फॉर इंडिया लीग' के रूप में कांग्रेस के भीतर एक दबाव समूह का निर्माण किया।

21. फरवरी, 1928 में आयोजित सर्वदलीय सम्मेलन के अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन थे?

(a) मोतीलाल नेहरू (b) डॉ. एम.ए. अंसारी

(c) सुभाषचंद्र बोस (d) एम.के. गांधी

(e) इसमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

तत्कालीन भारत सचिव लॉर्ड बर्केन हेड द्वारा भारतीयों को दी गई चुनौती के प्रत्युत्तर में कांग्रेस द्वारा डॉ. एम.ए. अंसारी की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य एक आम सहमति वाले संविधान का मसौदा तैयार करना था। फलतः मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक कमेटी नियुक्त की गई, जिसके द्वारा अगस्त, 1928 में प्रस्तुत रिपोर्ट को नेहरू रिपोर्ट कहा जाता है।

कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन, पूर्ण स्वराज प्रस्ताव (1929)

नोट्स

***वर्ष 1921 के अहमदाबाद अधिवेशन** में **मौलाना हसरत मोहानी** ने प्रस्तावित किया कि स्वराज को सभी प्रकार के विदेशी नियंत्रण से मुक्त संपूर्ण स्वतंत्रता या **संपूर्ण स्वराज** के रूप में परिभाषित किया जाए और इसे **कांग्रेस का लक्ष्य** माना जाए। ***वर्ष 1921 में कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन के अध्यक्ष सी.आर. दास चुने गए थे, किंतु उनके जेल में होने के कारण हकीम अजमल खां** ने इस **अधिवेशन की अध्यक्षता** की थी। * कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन (1928) में ब्रिटिश सरकार को यह अल्टीमेटम दिया गया कि वह एक वर्ष में नेहरू रिपोर्ट स्वीकार कर ले या कांग्रेस द्वारा प्रारंभ किए जाने वाले जनांदोलन का सामना करे। *निर्धारित समय-सीमा में सरकार द्वारा कोई निश्चित उत्तर न मिलने की स्थिति में दिसंबर, 1929 में पं. जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस का ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन हुआ, जिसमें संबंधित प्रस्ताव पारित होने के बाद पं. जवाहरलाल नेहरू ने **'पूर्ण स्वराज'** का लक्ष्य घोषित किया। ***जैसे ही 31 दिसंबर, 1929** को मध्यरात्रि का घंटा बजा, **कांग्रेस अध्यक्ष पं. जवाहरलाल नेहरू ने लाहौर में रावी नदी के तट पर भारतीय स्वतंत्रता का झंडा फहराया।** * कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 2 जनवरी, 1930 की अपनी बैठक में यह निर्णय लिया गया कि **26 जनवरी, 1930 का दिन 'पूर्ण स्वराज दिवस'** के रूप में मनाया जाएगा तथा 26 जनवरी को प्रत्येक वर्ष **'पूर्ण स्वाधीनता दिवस'** के रूप में। * इस अधिवेशन में अपने **अध्यक्षीय भाषण** में बोलते हुए उन्होंने कहा था कि आज हमारा सिर्फ एक लक्ष्य है, स्वाधीनता का लक्ष्य। * हमारे लिए स्वाधीनता है **'पूर्ण स्वतंत्रता'**। *कांग्रेस के **लाहौर अधिवेशन में 31 दिसंबर, 1929 को घोषित संकल्प** में स्पष्ट किया गया कि– (1) गोलमेज सम्मेलन से कोई लाभ नहीं है, (2) नेहरू कमेटी की डोमिनियन राज्य के दर्जे की योजना समाप्त की जाती है, (3) शब्द स्वराज का अर्थ है पूर्ण स्वतंत्रता तथा (4) अखिल भारतीय कांग्रेस जब उचित समझेगी नागरिक अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करेगी।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नकोश

1. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, निम्नलिखित में से किसने प्रस्तावित किया कि स्वराज को सभी प्रकार के विदेशी नियंत्रण से मुक्त संपूर्ण स्वतंत्रता के रूप में परिभाषित किया जाए?

(a) मजहरुल हक (b) मौलाना हसरत मोहानी
(c) हकीम अजमल खान (d) अबुल कलाम आजाद

I.A.S. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

वर्ष 1921 के अहमदाबाद अधिवेशन में मौलाना हसरत मोहानी ने प्रस्तावित किया कि स्वराज को सभी प्रकार के विदेशी नियंत्रण से मुक्त संपूर्ण स्वतंत्रता या संपूर्ण स्वराज के रूप में परिभाषित किया जाए और इसे कांग्रेस का लक्ष्य माना जाए। वर्ष 1921 में कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन के अध्यक्ष सी.आर. दास चुने गए थे, किंतु उनके जेल में होने के कारण हकीम अजमल खां ने इस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।

2. 1921 के अहमदाबाद अधिवेशन में निम्नलिखित नेताओं में से किसने संपूर्ण स्वराज को कांग्रेस का लक्ष्य मानने का प्रस्ताव रखा?

(a) अबुल कलाम आजाद (b) हसरत मोहानी
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) मोहनदास करमचंद गांधी

I.A.S. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. कांग्रेस ने कब पहली बार भारत की स्वतंत्रता का प्रस्ताव पारित किया था?

(a) 1929 (b) 1915
(c) 1942 (d) 1935

M.P. P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन (1928) में ब्रिटिश सरकार को यह अल्टीमेटम दिया गया कि वह एक वर्ष में नेहरू रिपोर्ट स्वीकार कर ले या कांग्रेस द्वारा प्रारंभ किए जाने वाले जनांदोलन का सामना करे। निर्धारित समय-सीमा में सरकार द्वारा कोई निश्चित उत्तर न मिलने की स्थिति में दिसंबर, 1929 में पं. जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस का ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन हुआ, जिसमें संबंधित प्रस्ताव पारित होने के बाद पं. जवाहरलाल नेहरू ने 'पूर्ण स्वराज' का लक्ष्य घोषित किया। जैसे ही 31 दिसंबर, 1929 को मध्यरात्रि का घंटा बजा, कांग्रेस अध्यक्ष पं. जवाहरलाल नेहरू ने लाहौर में रावी नदी के तट पर भारतीय स्वतंत्रता का झंडा 'तिरंगा' फहराया। कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 2 जनवरी, 1930 की अपनी बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 26 जनवरी, 1930 का दिन 'पूर्ण स्वराज दिवस' के रूप में मनाया जाएगा तथा 26 जनवरी को प्रत्येक वर्ष 'पूर्ण स्वाधीनता दिवस' के रूप में।

4. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने किस सत्र में पूर्ण स्वाधीनता का प्रस्ताव पारित किया था?

(a) 1920 ई., नागपुर (b) 1924 ई., बेलगांव
(c) 1929 ई., लाहौर (d) 1931 ई., कराची
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re. Exam), 2021

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. कांग्रेस द्वारा भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के लक्ष्य की घोषणा किस अधिवेशन में की गई?

(a) लाहौर अधिवेशन, 1929
(b) कलकत्ता अधिवेशन, 1928
(c) इलाहाबाद अधिवेशन, 1930
(d) इनमें से कोई नहीं

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. 1947 से पहले 26 जनवरी को कहा जाता था–

(a) गणतंत्र दिवस (b) शहीद दिवस
(c) संविधान दिवस (d) पूर्ण स्वराज दिवस

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव लाहौर कांग्रेस में पारित किया गया, वर्ष–

(a) 1919 में (b) 1929 में
(c) 1939 में (d) 1942 में

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997
U.P. P.C.S. (Pre) 1993
U.P. Lower Sub. (Pre) 1999
U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा किस दिन को 'पूर्ण स्वराज दिवस' घोषित किया गया था?

(a) 26-01-1930 (b) 15-08-1947
(c) 30-01-1948 (d) 31-12-1950
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. निम्नलिखित में से किस एक ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी जिसमें "पूर्ण स्वराज" का प्रस्ताव पारित हुआ था?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) जवाहरलाल नेहरू
(c) लाला लाजपत राय (d) सुरेंद्र नाथ बनर्जी

U.P. P.C.S. (Pre) 2009
I.A.S. (Pre) 2006
U.P. P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस का लक्ष्य 'पूर्ण स्वराज' किसके द्वारा घोषित किया गया?

(a) महात्मा गांधी (b) मोतीलाल नेहरू
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) सुभाष चंद्र बोस

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. 31 दिसंबर, 1929 को अर्द्धरात्रि में भारतीय राष्ट्रध्वज को किसने फहराया था ?

(a) मोतीलाल नेहरू ने (b) डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने
(c) महात्मा गांधी ने (d) जवाहरलाल नेहरू ने

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. स्वतंत्रता का नव-ग्रहीत तिरंगा पहली बार कब लहराया गया?

(a) 31 दिसंबर, 1928 (b) 31 दिसंबर, 1929
(c) 31 दिसंबर, 1930 (d) 31 दिसंबर, 1931

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. 1929 के कांग्रेस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का पताका किसने उठाया?

(a) मौलाना मुहम्मद अली (b) पंडित जवाहरलाल नेहरू
(c) वल्लभभाई पटेल (d) सुभाषचंद्र बोस
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के निम्नलिखित अधिवेशनों में से किस एक की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने सर्वप्रथम की थी?

(a) लाहौर अधिवेशन, 1929
(b) कलकत्ता अधिवेशन, 1928
(c) लखनऊ अधिवेशन, 1936
(d) रामगढ़ अधिवेशन, 1940

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(a)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (1929) की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने पहली बार की थी। इसी अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पारित कर दिया गया तथा 26 जनवरी को 'स्वतंत्रता दिवस' मनाने का निश्चय किया गया।

15. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन (1929) इतिहास में इसलिए बहुत प्रसिद्ध है, क्योंकि–

1. **कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज की मांग का एक संकल्प पारित किया**
2. **इस अधिवेशन में उग्रवादियों एवं उदारवादियों के बीच झगड़े को सुलझा लिया गया**
3. **इस अधिवेशन में दो राष्ट्रों की मांग के सिद्धांत को अस्वीकार करते हुए एक संकल्प पारित किया गया**

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

I.A.S. (Pre) 2012

उत्तर–(a)

जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में वर्ष 1929 में लाहौर के रावी नदी के तट पर कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में ऐतिहासिक पूर्ण स्वराज की मांग का संकल्प पारित किया गया और वर्ष 1930 की 26 जनवरी को प्रथम स्वाधीनता दिवस मनाया गया तथा उस वर्ष से प्रति वर्ष 26 जनवरी को स्वाधीनता दिवस मनाया जाने लगा।

16. 1929 में लाहौर में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन का अध्यक्ष कौन था?

(a) वल्लभभाई पटेल (b) मोतीलाल नेहरू
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) राजेंद्र प्रसाद
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

17. **स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 1929 का अधिवेशन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस अधिवेशन में-**

(a) कांग्रेस के उद्देश्य के तौर पर स्व-शासन प्राप्ति की घोषणा की गई

(b) कांग्रेस के लक्ष्य के तौर पर पूर्ण स्वराज प्राप्ति को स्वीकृत किया गया

(c) असहयोग आंदोलन का आरंभ हुआ

(d) लंदन में गोल-मेज सम्मेलन में भागीदारी करने का निर्णय लिया गया।

I.A.S. (Pre) 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. **निम्नलिखित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों में से किसमें कांग्रेस का लक्ष्य पूर्ण स्वराज घोषित किया गया?**

(a) लाहौर (b) कराची

(c) दिल्ली (d) बंबई

U.P.P.C.S (Mains) 2011
U.P.P.S.C. (GIC) 2010
U.P.P.S.C. (Mains) 2008

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. **कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज की घोषणा सबसे पहले कहां की?**

(a) लाहौर (b) अमृतसर

(c) लखनऊ (d) त्रिपुरा

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (1929) के अध्यक्ष थे–**

(a) अबुल कलाम आजाद (b) जवाहरलाल नेहरू

(c) राजेंद्र प्रसाद (d) सुभाष चंद्र बोस

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004
U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. **निम्नांकित में से कौन-सा 1929 में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पारित संकल्प में शामिल नहीं था?**

(a) भारत की विदेश नीति की घोषणा

(b) पूर्ण स्वराज्य के लक्ष्य की घोषणा

(c) सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने की तैयारी

(d) अस्पृश्यता उन्मूलन

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Mains) 2010

उत्तर–(d)

कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में 31 दिसंबर, 1929 को घोषित संकल्प में स्पष्ट किया गया कि– (1) गोलमेज सम्मेलन से कोई लाभ नहीं है। (2) नेहरू कमेटी की डोमिनियन राज्य के दर्जे की योजना समाप्त की जाती है। (3) शब्द स्वराज का अर्थ है 'पूर्ण स्वतंत्रता' (4) अखिल भारतीय कांग्रेस जब उचित समझेगी नागरिक अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करेगी। संकल्प में अस्पृश्यता उन्मूलन का कोई उल्लेख नहीं है। गोलमेज सम्मेलन से संबंधित नीति को ही भारतीय विदेश नीति के रूप में माना जा सकता है, क्योंकि ब्रिटिश शासन में शेष विश्व से संबंधित नीति का निर्धारण ब्रिटिश सरकार ही करती थी। वैसे वर्ष 1921 के कांग्रेस अधिवेशन में सर्वप्रथम यह संकल्प व्यक्त किया गया था कि भारत की एक विदेश नीति होनी चाहिए।

22. **पूर्ण स्वराज संकल्प को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में किसने प्रस्तुत किया था?**

(a) बी.जी. तिलक (b) जे.एल. नेहरू

(c) एम.के. गांधी (d) सरदार पटेल

U.P. P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर–(b)

पूर्ण स्वराज के संकल्प को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू द्वारा तैयार और प्रस्तुत किया गया था। इस अधिवेशन में अपने अध्यक्षीय भाषण में बोलते हुए उन्होंने कहा था कि आज हमारा सिर्फ एक लक्ष्य है, स्वाधीनता का लक्ष्य। हमारे लिए स्वाधीनता है 'पूर्ण स्वतंत्रता'। ध्यातव्य हो कि इसी लाहौर अधिवेशन में नेहरू समिति की रिपोर्ट को निरस्त घोषित कर दिया गया, जिसमें केवल डोमिनियन स्टेट्स की मांग की गई थी।

सविनय अवज्ञा आंदोलन

नोट्स

*वर्ष 1929 में लाहौर कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस कार्यकारिणी को **सविनय अवज्ञा आंदोलन** शुरू करने का अधिकार दिया गया। * **फरवरी, 1930** में साबरमती आश्रम में हुई कांग्रेस कार्यकारिणी की दूसरी बैठक में महात्मा गांधी को इस आंदोलन का नेतृत्व सौंपा गया। * **महात्मा गांधी ने 12 मार्च, 1930** को अपना **प्रसिद्ध 'दांडी मार्च'** शुरू किया। * उन्होंने साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) से **चुने हुए साथियों के साथ सत्याग्रह** के लिए कूच किया। * **24 दिनों** की लंबी यात्रा के बाद उन्होंने **6 अप्रैल, 1930 को दांडी में सांकेतिक रूप से नमक कानून भंग किया** और इस

Scanned with OKEN Scanner